Aditya Superspeciality Hospital

सेवा, समर्पण और विश्वास के 5 साल

5th ANNIVERSARY

बीते 5 वर्षों में हमने केवल मरीजों का इलाज ही नहीं किया,
बल्कि हज़ारों चेहरों पर मुस्कान और परिवारों में खुशियाँ वापस लाने का प्रयास किया है।
आपका अटूट विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। इसी तरह हम भविष्य में भी स्वास्थ्य और सेवा के प्रति समर्पित रहेंगे।

विश्वस्तरीय हृदय उपचार हेतु
शहडोल संभाग के **प्रथम कैथलैब** का

शुभारंभ
और सम्मान समारोह

रविवार 5 जुलाई 2026, सायं 7 बजे से

मुख्य अतिथि

मान. श्रीमती हिमाद्री सिंह
सांसद, शहडोल

विशेष अतिथि

मान. जयसिंह मरावी
विधायक, जैतपुर

मान. श्रीमती मनीषा सिंह
विधायक, जयसिंहनगर

मान. श्री शरद कोल
विधायक, ब्यौहारी

24hr SERVICE

श्रेष्ठ चिकित्सक, उत्कृष्ट चिकित्सा

डॉ. आदित्य द्विवेदी
मेडिकल डायरेक्टर
एम.एस. ऑर्थो

डॉ. स्मिता द्विवेदी
मैनेजिंग डायरेक्टर
डैंटल सर्जन

डॉ. इमरान शेख
डी.एम.
कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. राज शर्मा
एम.सी.एच.
न्यूरो सर्जन

डॉ. अंबिका गुप्ता
डी.एन.बी.
चेस्ट स्पेशलिस्ट

डॉ. दिव्यानी
डी.एन.बी.
सभी रोग विशेषज्ञ

डॉ. कौशिक
एम.डी. मेडिसिनलिस्ट

डॉ. दीपक शुक्ला
एम.एस. लेप्रोस्कोपिक सर्जन
एवं गैस्ट्रो स्पेशलिस्ट

सोनोग्राफी

हीमोडायलिसिस

क्रिटिकल केयर

पैथोलॉजी

ऑपरेशन थियेटर

सीटी स्कैन

एंडोस्कोपी

आदित्य सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल

न्यू बाईपास के पास, रीवा रोड, कोनी शहडोल (म.प्र.) | 9770900731, 9770900732

खबर संक्षेप

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और अश्लील वीडियो बनाने वाला ब्लैकमेलर गिरफ्तार!

शहडोल। जिले की जयसिंहनगर पुलिस ने एक ऐसे घिनौने और शातिर चेहरे को बेनकाब किया है, जिसने न सिर्फ प्यार और शादी के पवित्र रिश्ते को कलंकित किया, बल्कि एक युवती की जिंदगी बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। शादी का झांसा देकर लगातार दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वाले रसूखदार आरोपी प्रवीण कुमार गहरवार उर्फ मनीष सिंह 25 वर्ष, निवासी बिनैका को पुलिस ने कड़े तेवर दिखाते हुए सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

किराए के मकान में आबरू से खिलवाड़- सच्चाई सामने आते ही अंचल के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में हडक़ंप मच गया है। आरोपी मनीष ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर अपने जाल में फंसाया और किराए के मकान में रखकर उसकी मर्जी के खिलाफ कई बार शारीरिक शोषण किया। दरिंदगी की हद तो तब हो गई जब उसने मोबाइल में पीड़िता का अश्लील वीडियो भी बना लिया। जब पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया, तो आरोपी साफ मुकर गया। इसके बाद पीड़िता की शादी कहीं और हो गई, लेकिन इस सनकी ब्लैकमेलर का कलेजा नहीं भरा। वह पीड़िता के ससुराल तक पहुंच गया और परिजनों को अश्लील वीडियो दिखाकर उसे बदनाम किया। साथ ही सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसकी गृहस्थी उजाडऩे की साजिश रची।

कोर्ट में पेश, विलेन का घमंड चूर- पीड़िता की चीख जब थाने पहुंची, तो जयसिंहनगर पुलिस तत्काल एक्शन मोड में आ गई। थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार बैगा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक जीवन सिंह तेकाम की टीम ने घेराबंदी कर इस शातिर अपराधी को दबोच लिया। पर्याप्त सबूतों के आधार पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। क्षेत्र की जनता पुलिसिया कार्रवाई की जमकर तारीफ कर रही है।

500 घन मीटर अवैध रेत जेसीबी से मटियामेट

शहडोल। जिले में बहने वाली नदियों का सीना चीरकर चांदी काटने वाले रेत माफियाओं के खिलाफ प्रशासन ने अब आर-पार की जंग छेड़ दी है। कलेक्टर के कड़े और सख्त रुख के बाद जयसिंहनगर तहसील के ग्राम बराछ में अवैध खनन और भंडारण के बड़े खेल को खाकी और प्रशासनिक अमले ने मिलकर पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया है। शासकीय भूमि पर कब्जा कर डंप की गई करीब 500 घन मीटर अवैध रेत को प्रशासन ने दो भारी-भरकम जेसीबी मशीनों की मदद से मिट्टी में मिलाकर पूरी तरह नष्ट कर दिया।

माफिया की चालबाज़ी पर फिरा पानी- रेत के अवैध सौदागरों ने शासन की जमीन पर इस बड़ी खेप को तस्करी के उद्देश्य से छिपाकर रखा था। लेकिन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जयसिंहनगर और खनिज अधिकारी के कुशल मार्गदर्शन में प्रभारी खनि निरीक्षक ने ब्यौहारी पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त सर्जिकल स्ट्राइक की। टीम ने न सिर्फ रेत को ज़ब्त किया, बल्कि माफिया दोबारा उस रेत को बेच न सके, इसलिए जेसीबी चलवाकर उसमें मिट्टी मिक्स कर दी। माफिया का लाखों का माल पल भर में मिट्टी बन गया।

ब्यौहारी-जयसिंहनगर में अलर्ट खनिज विभाग ने साफ संदेश दे दिया है कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण करने वालों की अब खैर नहीं है। ब्यौहारी और जयसिंहनगर के चिन्हित संवेदनशील इलाकों में राजस्व, पुलिस और खनिज विभाग की संयुक्त टीमें 24 घंटे पहरा दे रही हैं। इस आक्रामक कार्रवाई से अंचल के रेत माफियाओं में हडक़ंप मच गया है और सफेदपोश आकाओं के चेहरों पर हवाइयां उडऩे लगी हैं।

ऐतिहासिक उपलब्धि: आदित्य सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के गौरवमयी 5 वर्ष पूर्ण

आज शहडोल संभाग की पहली अत्याधुनिक कैथ लैब का होगा लोकार्पण

शाम को आयोजित होगा भव्य स्थापना दिवस, सम्मान एवं सांस्कृतिक समारोह

शहडोल।

विंध्य एवं आदिवासी अंचल की स्वास्थ्य सेवाओं के इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। आदित्य सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा रोड, कोनी (न्यू बाईपास), शहडोल ने अपनी सफल चिकित्सा सेवा यात्रा के गौरवपूर्ण पाँच वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। वर्ष 2021 में कोविड महामारी जैसी विषम परिस्थितियों के बीच सेवा के संकल्प के साथ प्रारंभ हुआ यह संस्थान आज विंध्य-महाकौशल क्षेत्र के प्रमुख सुपरस्पेशलिटी चिकित्सा केन्द्रों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुका है।

पंचम स्थापना दिवस के अवसर पर 5 जुलाई 2026 को अस्पताल द्वारा शहडोल संभाग की प्रथम अत्याधुनिक कैथ लैब का लोकार्पण किया जाएगा। यह सुविधा क्षेत्र के लाखों नागरिकों के लिए जीवनदायिनी साबित होगी। अब हार्ट अटैक एवं गंभीर हृदय रोगों से पीड़ित मरीजों को जबलपुर, नागपुर, रायपुर या बिलासपुर जैसे महानगरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। गोल्डन आवर के भीतर ही शहडोल में एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, पेसमेकर इम्प्लांटेशन, इको एवं अन्य आधुनिक कार्डियक उपचार 24&7 उपलब्ध होंगे।

उद्घाटन की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस वार्ता में अस्पताल के संस्थापक एवं मेडिकल डायरेक्टर डॉ. आदित्य द्विवेदी ने कहा कि यह केवल एक नई मशीन का शुभारंभ नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के विश्वास और क्षेत्र की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य प्रारंभ से ही विंध्य एवं आदिवासी अंचल के प्रत्येक नागरिक को श्रेष्ठ चिकित्सक, उत्कृष्ट चिकित्सा तथा किफायती एवं सुरक्षित उपचार उपलब्ध कराना रहा है।

पिछले पांच वर्षों में अस्पताल ने अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। अब तक 1,720 सफल डायलिसिस, 112 एंडोस्कोपी, 77 स्पाइन सर्जरी, 56 एंजियोग्राफी, 38 एंजियोप्लास्टी, 35 हिप रिप्लेसमेंट, 26 जटिल ब्रेन सर्जरी, 6 पेसमेकर इम्प्लांटेशन तथा 5 नी रिप्लेसमेंट सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं। अस्पताल की विशेषज्ञ टीम द्वारा दुर्घटना में पूरी तरह कटे हुए हाथ को माइक्रो सर्जरी के माध्यम से सफलतापूर्वक जोडऩा क्षेत्र की चिकित्सा उपलब्धियों में एक ऐतिहासिक उदाहरण है। साथ ही आधुनिक आईवीएफ सेंटर की स्थापना ने संतान सुख से वंचित दंपतियों के लिए नई आशा का द्वार खोला है।

आज अस्पताल में 24&7 इमरजेंसी एवं ट्रॉमा केयर, अत्याधुनिक आईसीयू, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, कार्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, न्यूरोसर्जरी, जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, यूरोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग, एडवांस्ड पैथोलॉजी, सीटी स्कैन, डिजिटल रेडियोलॉजी, डायलिसिस सेंटर तथा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कैशलेस उपचार जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। डॉ. आदित्य द्विवेदी, डॉ. स्मिता द्विवेदी, डॉ. इमरान शेख सहित देश के प्रतिष्ठित सुपरस्पेशलिस्ट चिकित्सकों की टीम नियमित रूप से अपनी सेवाएँ प्रदान कर रही है। पंचम स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर 5 जुलाई की सायंकाल कैथ लैब लोकार्पण के उपरांत एक भव्य मंचीय एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में चिकित्सा जगत के प्रतिष्ठित चिकित्सक, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, उद्योग एवं सामाजिक क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, मीडिया प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में अस्पताल की पांच वर्षीय सेवा यात्रा पर आधारित विशेष प्रस्तुति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समारोह के दौरान स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, सामाजिक सेवा, प्रशासन, जनकल्याण एवं विभिन्न क्षेत्रों में

उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तित्वों का सम्मान भी किया जाएगा। अस्पताल प्रबंधन का मानना है कि समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों का सम्मान नई पीढ़ी को प्रेरणा देने का सशक्त माध्यम है।

अस्पताल ने अपनी पाँच वर्षों की सफलता का श्रेय वरिष्ठ चिकित्सकों, विजिटिंग सुपरस्पेशलिस्ट्स, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल टीम तथा सबसे बढक़र क्षेत्र की जनता के अटूट विश्वास को दिया है। भविष्य में संस्थान का लक्ष्य कार्डिएक साइंसेज, किडनी केयर, ऑन्कोलॉजी, एडवांस्ड न्यूरो केयर, मेडिकल एजुकेशन, टेलीमेडिसिन तथा ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों के लिए ट्राइबल हेल्थकेयर आउटरीच कार्यक्रम का विस्तार कर विंध्य-महाकौशल क्षेत्र को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं का अग्रणी केन्द्र बनाना है। अस्पताल प्रबंधन ने सभी जनप्रतिनिधियों, चिकित्सकों, सामाजिक संगठनों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों से 5 जुलाई को आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह में सहभागिता कर इस गौरवपूर्ण अवसर के साक्षी बनने का आग्रह किया है।

वर्षा पूर्व तैयारियों का लिया जायजा
एसडीएम अमृता गर्ग ने नाला सफाई कार्यों को सराहा

सोहागपुर एसडीएम एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने नालों जलभराव वाले क्षेत्रों एवं सीवरेज कार्यों का किया निरीक्षण

शहडोल। वर्षा ऋतु के मद्देनज़र नगर में जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत दिलाने एवं जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से आज सोहागपुर एसडीएम श्रीमती अमृता गर्ग एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी निशांत सिंह ठाकुर ने नगर पालिका परिषद शहडोल क्षेत्र के विभिन्न नालों, संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों तथा सीवरेज पाइपलाइन बिछाने के कार्यों का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने नगर के प्रमुख नालों एवं नालियों की वर्षा पूर्व कराई गई सफाई का अवलोकन करते हुए जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि शेष नाला सफाई कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि वर्षा के दौरान किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। एसडीएम श्रीमती अमृता गर्ग ने नगर पालिका द्वारा कराए गए नाला सफाई कार्यों की सराहना करते हुए नियमित निगरानी बनाए रखने एवं वर्षा के दौरान त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात अधिकारियों ने नगर में संचालित सीवरेज पाइपलाइन बिछाने के कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी कार्यस्थलों पर बैरिकेडिंग, सुरक्षा घेराव एवं चेतावनी संकेतक (साइन बोर्ड) अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए, जिससे आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा अब तक नगर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर नाला सफाई का कार्य कराया जा चुका है। इसके अंतर्गत वार्ड क्रमांक 25 से दावत मैरिज गार्डन, जेल बिल्डिंग, भारती पैलेस से अंडरब्रिज मार्ग, वृद्धाश्रम से बालक छात्रावास, गांधी चौक, रीवा होटल हाउसिंग बोर्ड, पटेल नगर, सलूजा सीमेंट से शास्त्री नगर, टेक्सवेयर के समीप, रिलायंस मार्ट क्षेत्र तथा सिंहपुर रोड से नरसरहा डिपो तक प्रमुख नालों की सफाई कर जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाया गया है। सिंहपुर रोड क्षेत्र में शेष कच्चे नाले के निर्माण का कार्य भी प्रगति पर है। निरीक्षण के दौरान मोतीलाल सिंह, उपयंत्री एस.एस. तोमर, उप यंत्री पुनीत त्रिपाठी, स्वच्छता निरीक्षक अनिल महोबिया, नगर पालिका के कर्मचारी एवं संबंधित वार्डवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे नालों एवं सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंकें तथा स्वच्छ, सुरक्षित एवं जलभराव मुक्त शहडोल के निर्माण में नगर पालिका का सहयोग करें।

शहडोल के 120 आंगनबाड़ी केंद्र बने वैश्विक मॉडल

संपन्न हुआ ओलंपिक वैल्यू एजुकेशन प्रोग्राम का समापन समारोह

शहडोल। रिलायंस फाउंडेशन यूथ स्पोर्ट्स एवं रिलायंस सीबीएम सीएसआर, शहडोल के संयुक्त प्रयास तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से संचालित ओलंपिक वैल्यू एजुकेशन प्रोग्राम के समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह का आयोजन शहडोल में किया गया। समारोह के दौरान परियोजना से जुड़े सभी 120 आंगनवाड़ी केंद्रों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को उत्कृष्ट सहभागिता एवं सफल क्रियान्वयन के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही कार्यक्रम के उत्कृष्ट संचालन के लिए 10 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विशेष उपहार देकर सम्मानित किया गया। परियोजना के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले 2 मास्टर ट्रेनर्स को भी विशेष सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग, उप संचालक महिला एवं बाल विकास गौतम अधिकारी, सहायक संचालक राकेश खरे, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा तथा रिलायंस सीबीएम प्रोजेक्ट के साइट हेड राजेश वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बताया गया कि शहडोल के 120 आंगनवाड़ी केंद्रों में लागू किया गया यह मॉडल आज वैश्विक स्तर पर एक आदर्श के रूप में स्थापित हो चुका है। उन्होंने बताया कि इस अभिनव पहल की सफलता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने अपने सदस्य देशों को इस मॉडल को अपनाने एवं दोहराने का सुझाव दिया है। रिलायंस फाउंडेशन यूथ स्पोर्ट्स ने इस पहल का विस्तार करते हुए महाराष्ट्र एवं तेलंगाना के 1100 आंगनवाड़ी केंद्रों में भी इसका सफल क्रियान्वयन प्रारंभ कर दिया है।

जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने पकड़ी दुर्लभ बीमारी, महिला को मिली नई जिंदगी

तीन वर्षों से मिर्गी का इलाज करा रही महिला में मिला इंसुलिनोमा, समय पर सही निदान से मिली राहत

शहडोल। जिला चिकित्सालय शहडोल के चिकित्सकों ने एक जटिल एवं दुर्लभ बीमारी का सफलतापूर्वक निदान कर एक महिला को नई जिंदगी देने का कार्य किया है। पिछले लगभग तीन वर्षों से मिर्गी (एपिलेप्सी) समझकर विभिन्न शहरों में उपचार करा रही 56 वर्षीय महिला की वास्तविक बीमारी का पता शहडोल जिला अस्पताल में चला। महिला लंबे समय से बार-बार दौरे पडऩा, घबराहट, अत्यधिक पसीना आना, चक्कर, बेहोशी, अनिद्रा, चिंता एवं अवसाद जैसी समस्याओं से जूझ रही थी। नागपुर, भोपाल एवं रायपुर सहित कई शहरों में महंगे उपचार, एमआरआई, ईईजी एवं अन्य जांच कराने के बावजूद बीमारी का सही कारण सामने नहीं आ सका था।जिला अस्पताल में न्यूरो साइकियाट्रिस्ट एवं नशा मुक्ति विशेषज्ञ डॉ. सुमित दास गुप्ता (एमबीबीएस, एमडी मनोरोग) ने मरीज की विस्तृत जांच एवं पुराने चिकित्सकीय रिकॉर्ड का गहन अध्ययन किया। जांच के दौरान पाया गया कि महिला के दौरे सामान्य मिर्गी से भिन्न थे तथा पुराने रिकॉर्ड में कई बार रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) का स्तर असामान्य रूप से कम दर्ज किया गया था। इसके बाद कराई गई विशेष जांचों में मरीज के शरीर में इंसुलिन और सी-पेप्टाइड का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया तथा सीईसीटी जांच में अग्न्याशय (पैंक्रियास) के पास लगभग 18&17 मिमी का ट्यूमरनुमा घाव दिखाई दिया। चिकित्सकीय परीक्षणों के आधार पर महिला में इंसुलिनोमा नामक दुर्लभ बीमारी की पुष्टि हुई, जो लगातार ब्लड शुगर कम होने का कारण बन रही थी। सही बीमारी की पहचान होने के बाद अनावश्यक एंटी-एपिलेप्टिक दवाओं में चिकित्सकीय सलाह के अनुसार कमी की गई

तथा मरीज को हाइपोग्लाइसीमिया के शुरुआती लक्षण पहचानने, हमेशा ग्लूकोज या ग्लूकोज टैबलेट साथ रखने एवं आवश्यक उपचार संबंधी परामर्श दिया गया। इसके साथ ही अनिद्रा एवं अवसाद के लिए भी उपचार शुरू किया गया। कुछ समय के फॉलो-अप के दौरान मरीज की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखा गया तथा पहले की तरह दौरे आना बंद हो गए। मरीज की मानसिक एवं शारीरिक स्थिति में भी सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला। मरीज के पति मनोज ने जिला अस्पताल के चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों तक विभिन्न शहरों में उपचार कराने के बावजूद बीमारी का सही कारण सामने नहीं आया था, लेकिन शहडोल जिला अस्पताल में सही दिशा में जांच होने से उनकी पत्नी को नई जिंदगी और भविष्य के प्रति नई उम्मीद मिली है।डॉ. सुमित दास गुप्ता ने कहा कि हर दौरा मिर्गी नहीं होता। यदि मरीज में बार-बार ब्लड शुगर कम होना, अत्यधिक पसीना आना, घबराहट, धडक़न तेज होना और बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दें, तो अन्य संभावित कारणों की भी व्यवस्थित जांच आवश्यक है। समय पर सही निदान से मरीज को अनावश्यक उपचार और मानसिक पीड़ा से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि छोटे शहरों के सरकारी अस्पतालों में भी यदि विस्तृत इतिहास, सावधानीपूर्वक परीक्षण एवं तार्किक चिकित्सकीय दृष्टिकोण अपनाया जाए तो जटिल एवं दुर्लभ बीमारियों का सफलतापूर्वक निदान संभव है।

धनपुरी पुलिस ने जंगल में घेराबंदी कर पकड़ी अवैध अंग्रेजी शराब

शहडोल।

विंध्य अंचल में नशे के सौदागरों और अवैध काली कमाई के सिंडिकेट पर शहडोल पुलिस ने एक बार फिर करारा हथौड़ा चलाया है। जिले में अवैध मादक पदार्थों और माफियाओं के खिलाफ जारी जीरो टॉलरेंस अभियान के तहत थाना धनपुरी पुलिस को आधी रात को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने जंगल के रास्ते तस्करी के खेल को बेनकाब करते हुए 179.28 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब सहित एक आलीशान अर्टिगा कार को ज़ब्त करने में सफलता हासिल की है।

मुखबिर के इनपुट पर आधी रात को सर्जिकल स्ट्राइक

3 जुलाई की दरम्यानी रात जब पूरी दुनिया सो रही थी, तब धनपुरी पुलिस की टीम मुखबिर के पुख्ता इनपुट पर एक्टिव हो चुकी थी। सूचना मिली कि ग्राम बंदरचुई खोह स्थित क्रेशर के पास, जंगल के रास्ते में एक संदिग्ध लग्जरी कार अवैध शराब की बड़ी खेप खपाने की फिराक में खड़ी है। थाना प्रभारी निरीक्षक खेमसिंह पेन्द्रो के नेतृत्व में पुलिस ने बिना वक्त गंवाए चक्रव्यूह रचा और योजनाबद्ध तरीके से जंगल में घेराबंदी कर दबिश दे दी। मौके पर तस्करों की अर्टिगा कार लावारिस और संदिग्ध हालत में खड़ी मिली। जब पुलिस ने कार के भीतर कड़े तेवर में तलाशी ली, तो अधिकारियों की आंखें फटी की फटी रह गईं।

कार बनी शराब का गोदाम

लग्जरी कार को तस्करों ने बकायदा शराब का चलता-फिरता गोदाम बना रखा था। पुलिस ने कार से भारी मात्रा में अवैध माल बरामद किया। पुलिस ने शराब की इस बड़ी खेप के साथ तस्करी में इस्तेमाल हो रही लाखों रुपए की अर्टिगा कार को भी विधिवत ज़ब्त कर राजसात करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

अनूपपुर का बब्बू नायक नामजद

इस पूरे मामले में धनपुरी पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक समेत कार के असली मालिक बब्बू नायक निवासी भेजरी, थाना अमरकंटक, जिला अनूपपुर के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत संगीन धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया है। फिलहाल आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हैं, लेकिन खाकी ने साफ कर दिया है कि तस्कर चाहे पाताल में भी छुप जाएं, उन्हें दबोच लिया जाएगा। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

सेफ क्लिक 2.0 अभियान सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और साइबर अपराध से बचें

शहडोल। मध्यप्रदेश पुलिस के राज्यव्यापी सेल्फ क्लिक अभियान के अंतर्गत शहडोल पुलिस द्वारा जिले के विभिन्न धार्मिक स्थलों, सामुदायिक केंद्रों तथा विद्यालयों/विश्वविद्यालयों में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों एवं विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, फर्जी लिंक, ओटीपी फ्रॉड, बैंकिंग धोखाधड़ी, नट्ट सुरक्षा एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही साइबर अपराध का शिकार होने पर 1930 हेल्पलाइन पर तत्काल कॉल करने एवं पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया।

खबर संक्षेप

भारतीय स्टेट बैंक का 71 वां स्थापना दिवस उत्साहमय मनाया गया

बुढ़ार। ओ.पी.एम. अमलाई स्थित भारतीय स्टेट बैंक में बैंक का 71 वां स्थापना दिवस पर गुब्बारा तथा विद्युत की आकर्षक सजावट कर स्थापना दिवस उत्साहमय मनाया गया। भारतीय स्टेट बैंक के नवागत शाखा प्रबंधक धर्मराज ने भारतीय स्टेट बैंक के स्थापना दिवस पर सम्मानित ग्राहकों का स्वागत करते हुये बैंक के चेयरमैन के संदेश का वाचन किया इसके उपरांत - वर्तमान समय में डिजिटल बैंकिंग प्रणाली के तहत खाताधारकों को प्रदत्त करायी जा रही सुविधा के संदर्भ में विस्तृतरूप से अवगत कराया गया, वहीं बैंकिंग डिपाजिट सिस्टम को ज्यादा से ज्यादा अपनाने पर जोर दिया। स्थापना दिवस पर बैंक के ग्राहकों का मुह मीठा मिष्ठान खिलाकर कराया गया। कार्यक्रम में - जयचन्दन, तारा नवीन, गजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव, हरिप्रसाद यादव, अमर, श्रुति गुप्ता की भरपूर सहभागिता रही।

मानपुर के नवनियुक्त थाना प्रभारी ने लिया प्रभार

मानपुर। जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत मानपुर थाना के नवनियुक्त थाना प्रभारी बृज किशोर गर्ग का लोगों ने स्वागत किया गया एवं सभी ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र में बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखना तथा जनता के साथ समन्वय की परंपरा को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की है, इस अवसर पर मानपुर थाना के समस्त स्टाफ पत्रकार बंधु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वेतन व सेवा शर्त मामले में कोल सेक्रेटरी और कोल इंडिया चेयरमैन को नोटिस

राजनगर। भारत सरकार के नवरत्न कंपनियों में प्रमुख कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों के अधिकारियों के वेतन एवं सेवा शर्तों से जुड़े विवाद में नया मोड़ आ गया है। मध्यप्रदेश हाइकोर्ट के जबलपुर पीठ ने अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कोयला मंत्रालय के सचिव, कोल इंडिया के चेयरमैन, निदेशक (कार्मिक) समेत अन्य संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। दो जुलाई को हुई सुनवाई के दौरान हाइकोर्ट ने निर्देश दिया कि प्रक्रिया पूरी होने के सात कार्य दिवस के भीतर सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी किये जायें। अदालत ने समान प्रकृति की दोनों अवमानना याचिकाओं की एक साथ सुनवाई करने का भी आदेश दिया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है, कि वेतन एवं सेवा शर्तों से जुड़े मामले में हाइकोर्ट द्वारा पूर्व में दिये गये आदेशों का समय पर और पूर्ण रूप से पालन नहीं किया गया. इसी आधार पर अदालत से अवमानना की कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध किया गया है।

नगर को मिली विकास की दो बड़ी सौगात

सूर्य नमस्कार प्रतिमा और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क का भव्य लोकार्पण

बुढ़ार। नगर परिषद बुढ़ार द्वारा विकास की श्रृंखला में दो और बड़े कार्यों को मूर्त रूप दिया गया है। विश्राम गृह के निकट नवनिर्मित 'सूर्य नमस्कार प्रतिमा' और उपजेल के समीप अमृत योजना मद से बने भव्य 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क' का शनिवार को एक गरिमामयी और भव्य समारोह में लोकार्पण किया गया।

यह लोकार्पण कार्यक्रम जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी के मुख्यातिथ्य तथा नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संभागीय संगठन प्रभारी गौरव सिरोठिया और जिला भाजपा अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

नगरवासियों को मिली स्वास्थ्य और मनोरंजन की सौगात,वार्ड क्रमांक 1 (विश्राम गृह के पास): योग और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के पुनीत उद्देश्य से 'सूर्य नमस्कार योगा मूर्ति' का निर्माण कराया गया है।वार्ड क्रमांक 6 (उपजेल के पास): अमृत योजना मद से सर्वसुविधायुक्त भव्य पार्क का निर्माण कराया गया है, जिसका नामकरण देश के महान सपूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर किया गया है। मुख्य अतिथियों ने वैदिक पूजन के बाद फीता काटकर दोनों विकास कार्यों को जनता को समर्पित किया।

'बुढ़ार परिषद का काम सराहनीय, विकास में अग्रणी' - विधायक जयसिंह मरावी

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक जयसिंह मरावी ने कहा:श्नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी और उनकी पूरी टीम नगरवासियों की आशाओं के अनुरूप विकास कार्यों को धरातल पर उतार रही है। विकास की इस श्रृंखला में बुढ़ार नगर निरंतर अग्रणी बना हुआ है, जो बेहद प्रशंसनीय है। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि पार्षदों और आम नागरिकों के निरंतर सहयोग से ही इस छोटे से नगर में बड़े विकास कार्य संभव हो पा रहे हैं। परिषद का यह प्रयास हमेशा रहेगा कि नगर को विकास की नई सौगातें मिलती रहें।

डॉ. मुखर्जी के नाम पर संभाग का पहला पार्क

विशिष्ट अतिथि गौरव सिरोठिया ने परिषद को बधाई देते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अविस्मरणीय योगदान दिया। उन्होंने आकांक्षा व्यक्त की कि आने वाले समय में इस पार्क में डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा भी स्थापित की जाए। वहीं, जिला भाजपा अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने बुढ़ार परिषद की पीठ थपथपाते हुए कहा:श्शहडोल संभाग में बुढ़ार पहली ऐसी नगर परिषद है, जिसने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर उद्यान की सौगात दी है। मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में स्थानीय निकायों में हो रहे ऐसे विकास कार्य और महापुरुषों के नाम पर नामकरण करना निःसंदेह सराहनीय है।श

गरिमामयी उपस्थिति और आभार

कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीकृष्ण गुप्ता ने किया तथा आभार प्रदर्शन अर्जुन सोनी द्वारा किया गया। लोकार्पण के इस पावन अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित रहे:,वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारीः दौलत मनवानी, राकेश पाण्डेय, संतोष लोहानी, भूपेन्द्र मिश्रा, रविकांत चौरसिया, पुष्पेन्द्र ताम्रकार, दीपक शर्मा, सौरभ गोले, बीनू जैन, चंद्रभान गुप्ता, राजनारायण पाठक, विनोद पाठक, नमन ताम्रकार, प्रतीत गुप्ता, बालमुकुंद गुप्ता, रामभजन गुप्ता, संजय सिंह, अरुण द्विवेदी, राजकिशोर द्विवेदी,आनंद बारी, मंटू सिंह, सज्जन पाण्डेय, अशोक चौरसिया, भागचन्द सोनी।महिला नेतृत्वः मनीषा यस मलानी, काजल सरावगी।,प्रशासनिक अधिकारी व उपयंत्रीः नगर परिषद सीएमओ सौरभ श्रीवास्तव, उपयंत्री सीपी पाण्डेय।पार्षदः श्रीमती सविता सिंह, हरीश चन्द्र केवट, मोहन बैगा, सुमित्रा नामदेव, जूली जैन, रश्मि सिंह, जूली रजक, सुधाकर शर्मा, राजू सेठिया, योगेन्द्र सिंह, लक्ष्मण गौतम।गणमान्य नागरिकः कामाख्या राय, शुभम जैन, राधिका तिवारी, अनुज गुप्ता, अभय शुक्ला, मनोज चतुर्वेदी सहित भारी संख्या में नगरवासी।

पानी निकास अवरूद्ध किये जाने के कारण वार्डवासी परेशान

बुढार। नगर परिषद बकहो क्षेत्रान्तर्गम अमलाई बस्ती में पानी निकास में अवरोध उत्पन्न के कारण नागरिकों को इनदिनों भारी परेषानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस संदर्भ में बताया गया है कि - बकहो नगर परिषद वार्ड क्र. 6 के पार्षद बृजकिषोर यादव नें वाडवासियों के आषाओं के अनुरूप पक्की नाली का निर्माण कराया गया और रावल मार्केट बस्ती के घरों के पानी निकास हेतु उपेन्द्र, हेमकान्त के बाड़ी से होकर यह पानी नन्दौली केवट की बाड़ी से होकर जाता था किन्तु रामकली, राजेन्द्र द्वारा अवरोध उत्पन्न कर दिया गया हैं, जिसके फलस्वरूप वर्षाकालीन पानी का जमाव हो रहा है, जिससे निर्मित आवास के धरासायी होनें का अंदेषा बना हुआ है। इस आशय का वार्डवासियों नें मांगपत्र तहसीलदार नगर परिषद तथा पुलिस थाना अमलाई को दिया गया है। किन्तु अभीतक कोई कारगर पहल नहीं की जा सकी है, जिससे वार्ड के लोगो मे असंतोष व्याप्त है।

प्रत्येक ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकाय में बनाये जाएंगे आपदा मित्र

उमरिया। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गृह विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल के निर्देशानुसार संदर्भित पत्र के माध्यम से मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा संचालित आपदा मित्र योजना 2025-26 अन्तर्गत आपदा मित्र वालेंटियर्स बनाये जाने हेतु पत्र प्रेषित किया गया है।मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गृह विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल के निर्देशानुसार जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में 2-2 एवं नगरीय निकाय में 5-5 ऐसे आपदा मित्र बनाया जाना है, जो स्वप्रेरित होकर आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य करने का इच्छुक हो।कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से कहा है कि निर्धारित मापदंड अनुसार अपने जनपद क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में 2-2 एवं नगरीय निकाय में 5-5 आपदा मित्र वालेंटियर्स बनाया जाकर संलग्न आपदा मित्र स्वयंसेवक हेतु घोषणा पत्र भरकर एक सप्ताह के अंदर इस कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, जिससे स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण प्रदाय किया जा सके।

बांधवगढ़ के व्हाईट टाईगर लॉज में चला कानूनी डंडा

रसूखदार मैनेजर को श्रम न्यायालय का कड़ा नोटिस, तानाशाही साम्राज्य हिला!

उमरिया। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ नेशनल पार्क के व्हाईट टाईगर फॉरेस्ट लॉज में बरसों से चल रहे कथित तानाशाही, शोषण और मनमानी के साम्राज्य पर आखिरकार कानून का हंटर चल ही गया। रसूख और ऊंची पहुंच की धौंस दिखाकर गरीब कर्मचारियों का खून चूसने वाले प्रबंधन में उस वक्त हडक़ंप मच गया, जब कार्यालय श्रम पदाधिकारी उमरिया द्वारा लॉज के प्रबंधक अमित सिंह को कानूनी नोटिस थमा दिया गया। कोर्ट की इस सख्त कार्रवाई के बाद से लॉज के भीतर हडक़ंप मचा हुआ है और साहब की हेकड़ी हवा हो गई है। यह पूरा मामला एक गरीब कर्मचारी को बंधक जैसी स्थितियों में रखने, गालियां देने, मारपीट करने और अवैध रूप से नौकरी से बाहर का रास्ता दिखाने से जुड़ा है।

मुन्ना यादव को दी जान से मारने की धमकी

पीड़ित कर्मचारी मुन्ना यादव पिता खिलाड़ी यादव, निवासी ग्राम माला, ताला लॉज में बतौर वेटर/हाउसकीपिंग कार्य करता था। जब उसने परिसर के भीतर चल रही प्रशासनिक और वित्तीय अनियमितताओं तथा तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत दिखाई, तो यह बात मैनेजर अमित सिंह को इतनी नागवार गुजरी कि उन्होंने मर्यादा की सारी हदें पार कर दीं। मुन्ना यादव ने 15 जून को कलेक्टर को सौंपे अपने शिकायती पत्र में दर्द बयां किया था कि अमित सिंह आए दिन उसे गालियां देता था। जब मुन्ना ने इसका विरोध किया, तो रसूखदार मैनेजर ने धौंस देते हुए कहा तुम मुझे जानते नहीं हो, मेरी पहुंच पुलिस से लेकर ऊपर तक है, तुम्हें नौकरी से निकलवा दूंगा। हद तो तब हो गई जब 15 जून 2026 की सुबह करीब 9 बजे पुलिस चौकी ताला का खौफ दिखाकर कर्मचारी को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई और अमित सिंह के गुर्गों द्वारा उसके साथ मारपीट भी की गई।

7 जुलाई को होना होगा हाजिर

मैनेजर अमित सिंह का मानना था कि अपने तथाकथित ऊंचे रसूख और रसूखदारों के दम पर वह इस मामले को भी ठंडे बस्ते में डलवा देगा, लेकिन पीड़ित मुन्ना यादव ने घुटने टेकने के बजाय सीधे कानून का दरवाजा खटखटाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए श्रम विभाग ने सख्त रुख अख्तियार किया है। श्रम पदाधिकारी उमरिया ने औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 के अंतर्गत 03 जुलाई 2026 को लॉज प्रबंधन को कड़ा नोटिस जारी किया है। आदेश में साफ तौर पर निर्देश दिया गया है कि प्रबंधक अमित सिंह को आगामी सुनवाई तिथि 07 जुलाई को दोपहर 02 बजे श्रम पदाधिकारी कार्यालय उमरिया में हर हाल में उपस्थित होना होगा। उन्हें अपने पक्ष के समर्थन में सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत होने को कहा गया है। नोटिस में दोटूक चेतावनी दी गई है कि यदि तय समय पर प्रबंधन अनुपस्थित रहता है, तो उनके खिलाफ एकपक्षीय कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

खुलेगी काले कारनामों की फाइल

श्रम विभाग के इस हंटर के बाद जहां पीड़ित कर्मचारी को न्याय की उम्मीद जगी है, वहीं कल तक कर्मचारियों पर रौब झाडऩे वाले मैनेजर अमित सिंह अब खुद को कानूनी चक्रव्यूह में फंसा पा रहे हैं। सूत्रों की मानें तो इस सरकारी लॉज के भीतर चल रहे कई अन्य काले कारनामों, श्रम नियमों की धज्जियां उड़ाने और कर्मचारियों के मानसिक व आर्थिक शोषण की परतें भी अब एक-एक कर खुलने वाली हैं। विंध्य क्षेत्र के इस हाई-प्रोफाइल मामले पर अब पूरे इलाके की जनता और जागरूक संगठनों की नजरें टिकी हुई हैं। देखना बेहद दिलचस्प होगा कि 7 जुलाई को होने वाली इस सुनवाई में रसूखदार प्रबंधक कानून के सामने क्या सफाई पेश करता है या फिर उसके अहंकार का किला पूरी तरह ढह जाता है।

खाद विक्रेता एमआरपी दर पर ही बेचें खाद, अन्यथा होगी कानूनी कार्रवाई

उमरिया। उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने बताया कि म.प्र. शासन द्वारा निर्देश जारी किए गये है तथा जिला प्रशासन द्वारा जिले के समस्त निजी एवं सहकारी क्षेत्र के उर्वरक (खाद) विक्रेताओं को सभी उर्वरक विक्रेताओं को स्पष्ट रूप से सचेत किया गया है कि वे उर्वरक की बोरियों पर दर्ज अधिकतम खुदरा मूल्य पर ही खाद का विक्रय सुनिश्चित करें। किसी भी परिस्थिति में निर्धारित दर से एक भी रुपया अधिक वसूल नहीं किया जा सकता। सभी प्रकार के उर्वरक (यूरिया, डीएपी, एनपीके, एसएसपी आदि) केवल बोरी पर छपे निर्धारित रेट पर ही बेचे जाएंगे। प्रत्येक किसान को खाद का विक्रय अनिवार्य रूप से पीओएस मशीन के माध्यम से किया जाए और उन्हें पक्की रसीद (कैश मेमो) दी जाए।उन्होंने कहा कि यदि कोई भी विक्रेता किसानों से निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर खाद बेचते हुए पाया जाता है, या खाद की कालाबाजारी जमाखोरी में लिप्त मिलता है, तो उसके विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम, की धाराओं के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसमें दुकान का लाइसेंस निलंबन निरस्तीकरण और एफआईआर दर्ज कराना शामिल है।विभाग के मैदानी अधिकारियों एवं निरीक्षण दलों द्वारा जिले की सभी खाद दुकानों का लगातार औचक निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होने कहा कि अधिक मूल्य की मांग किए जाने पर किसान विकासखंड या जिला स्तर पर कृषि विभाग के कार्यालय में शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

कोतमा बस स्टैंड बना जाम का अड्डा, सड़क पर खड़ी बसें और ठेलों से बढ़ रही परेशानी

कोतमा। कोतमा नगर का बस स्टैंड इन दिनों अव्यवस्था का पर्याय बन गया है। बस स्टैंड के भीतर पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने और सड़क पर बसें खड़ी कर यात्रियों को चढ़ाने-उतारने के कारण रोजाना जाम की स्थिति बन रही है। वहीं, बस स्टैंड परिसर में बढ़ते हाथ ठेलों के अतिक्रमण और सड़क के ऊपर से गुजर रही विद्युत केबलों ने हादसों की आशंका भी बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका और प्रशासन से व्यवस्था सुधारने की मांग की है। नगर के मुख्य बस स्टैंड पर यातायात व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है। बस स्टैंड के भीतर पर्याप्त स्थान और सुव्यवस्थित संचालन नहीं होने के कारण अधिकांश बसें सड़क पर ही खड़ी कर यात्रियों को चढ़ाने और उतारने का काम करती हैं। इसका असर यह है कि दिनभर यहां वाहनों की लंबी कतारें लगती हैं और राहगीरों सहित वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बस स्टैंड परिसर में हाथ ठेला संचालकों की लगातार बढ़ती संख्या ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। कई ठेले बीच मार्ग में लगाए जाने से बसों और अन्य वाहनों की आवाजाही बाधित होती है। मजबूरी में बस चालकों को सड़क पर ही वाहन रोकना पड़ता है, जिससे जाम की स्थिति बन जाती है। व्यस्त समय में यात्रियों को बसों में चढ़ने और उतरने के दौरान दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। बस स्टैंड के ऊपर से गुजर रही विद्युत केबलें भी चिंता का विषय बनी हुई हैं। बसों की छत पर सामान लोड और अनलोड करते समय कर्मचारी बिजली की केबल के बेहद करीब पहुंच जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार कई बस संचालक सवारियां पहले बैठाने की होड़ में निर्धारित स्थान से पहले ही सड़क पर बसें रोक देते हैं। इससे यातायात प्रभावित होता है और अन्य वाहन चालकों को लंबे समय तक जाम में फंसना पड़ता है। कई बार वाहन चालकों के बीच विवाद की स्थिति भी बन जाती है। कोतमा बस स्टैंड से शहडोल, अनूपपुर, मनेन्द्रगढ़ सहित आसपास के कई शहरों के लिए प्रतिदिन लगभग एक दर्जन से अधिक बसों का संचालन होता है। सुबह और शाम के समय यात्रियों की संख्या अधिक होने से जाम की समस्या और गंभीर हो जाती है। सड़क पर बसों के खड़े रहने से आम नागरिकों, स्कूली बच्चों और पैदल राहगीरों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। नागरिकों ने नगर पालिका और जिला प्रशासन से मांग की है कि बसों की एंट्री और एग्जिट की समयबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बस स्टैंड परिसर से अतिक्रमण हटाकर हाथ ठेलों के लिए अलग स्थान निर्धारित किया जाए तथा सड़क के ऊपर से गुजर रही विद्युत केबलों को सुरक्षित ऊंचाई पर शिफ्ट कराया जाए। उनका कहना है कि इन व्यवस्थाओं से जाम और दुर्घटनाओं की आशंका दोनों पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है।

बारिश में गड्ढों में तब्दील हुई कोतमा की सड़कें, हर सफर बन रहा जोखिम

कोतमा। बरसात शुरू होते ही कोतमा नगर की सड़कों की बदहाली फिर सामने आ गई है। नगर पालिका क्षेत्र की अधिकांश डामर सड़कें जगह-जगह उखड़ चुकी हैं और गहरे गड्ढों में बारिश का पानी भर जाने से हादसों का खतरा बढ़ गया है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन सड़कों का निर्माण दो वर्ष पहले ही हुआ और जिनके रखरखाव की जिम्मेदारी अभी भी ठेकेदार पर है, उनकी समय रहते मरम्मत क्यों नहीं कराई गई? नगर में मानसून की पहली बारिश ने विकास कार्यों की गुणवत्ता की पोल खोल दी है। नगर पालिका क्षेत्र की कई प्रमुख सड़कें गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। बारिश का पानी भर जाने से गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के लिए हर सफर

जोखिम भरा बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बाइक चालक फिसलकर घायल हो चुके हैं, जबकि बड़े वाहनों के पलटने की आशंका भी बनी रहती है। नगरवासियों का आरोप है कि बारिश से पहले सड़कों की मरम्मत और गड्ढों को भरने का काम नहीं कराया गया। परिणामस्वरूप मुख्य मार्गों की डामर परत उखड़ गई और जगह-जगह बड़े गड्ढे बन गए। लगातार हो रही बारिश से इन गड्ढों में पानी भर गया है, जिससे वाहन चालक उन्हें पहचान नहीं पाते और दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर की कई डामर सड़कें दो वर्ष पहले ही बनाई गई थीं। नियमानुसार निर्माण एजेंसी को तीन वर्ष तक सड़क के रखरखाव और मरम्मत की जिम्मेदारी निभानी होती है। इसके बावजूद सड़कें समय से पहले जर्जर हो गई हैं। लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही के कारण सड़कें बदहाल हैं, लेकिन मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे। नगर में नल कनेक्शन देने के दौरान उपभोक्ताओं से रोड कटिंग शुल्क वसूला जाता है, लेकिन पाइप लाइन बिछाने के बाद कई स्थानों पर सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई। इससे सड़कें और अधिक क्षतिग्रस्त हो गई हैं। नागरिक सवाल उठा रहे हैं कि जब रोड कटिंग की राशि ली जाती है तो उसका उपयोग सड़क सुधार पर क्यों नहीं किया जाता। नगर के मुखर्जी चौक से टर्निंग प्वाइंट, आजाद चौक, गुरुद्वारा से हनुमान मंदिर मार्ग, महावीर मार्ग, गहरवार प्रेस रोड, अटल चौपाटी तिराहा, अटल द्वार से बाजार मार्ग, रेलवे कॉलोनी से बनिया टोला, बूढ़ी दाई मंदिर से उमेश ब्यौहार के घर तक का मार्ग तथा होंडा शोरूम के पास से शिशु भारती स्कूल जाने वाली सड़क सहित कई प्रमुख मार्गों पर डामर उखड़ चुका है और गहरे गड्ढे बन गए हैं। वहीं बनिया टोला से बाजार जाने वाले मार्ग पर जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी सड़क पर जमा हो रहा है।

मत्स्य विभाग की टीम ने चंदिया बाजार का किया औचक निरीक्षण

66 किलो मांगुर मछली जप्त

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय द्वारा मछलियों के प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए मध्य प्रदेश नदी मत्स्य उद्योग अधिनियम, 1972 की धारा 3(2) के अंतर्गत मत्स्य आखेट, परिवहन एवं विक्रय पर प्रतिबंध लागू किया गया है। इसी क्रम में 3 जुलाई 2026 को मत्स्य विभाग की टीम ने स्थानीय मत्स्य बाजार चंदिया का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 66 किलोग्राम प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली जब्त की गई। नगर परिषद चंदिया के सहयोग से जब्त मछली को नियमानुसार नष्ट करने की कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने व्यापारियों एवं आम नागरिकों को बताया कि थाई मांगुर मछली मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। इसके सेवन से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। साथ ही यह तालाबों एवं जलाशयों के प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को भी नुकसान पहुंचाती है, जिससे देशी मछलियों के अस्तित्व पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।मत्स्य विभाग ने बताया कि भारत सरकार द्वारा थाई मांगुर के पालन, विक्रय एवं परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। अधिकारियों ने सभी व्यापारियों को प्रतिबंध का कड़ाई से पालन करने की चेतावनी देते हुए कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

खबर संक्षेप

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक 10 जुलाई को

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भारत शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक का आयोजन संसदीय क्षेत्र शहडोल की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह की अध्यक्षता में 10 जुलाई को अपरान्ह 2 बजे से कलेक्ट्रेट नर्मदा सभागार अनूपपुर में किया गया है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने बताया है कि बैठक में एजेंडा बिंदु विभागों के भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की जावेगी।

जैतहरी टीआई अमर वर्मा लाइन अटैच, प्रशासनिक आदेश के बाद चर्चाओं का दौर

अनूपपुर। जैतहरी थाने में पदस्थ टीआई अमर वर्मा को पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब द्वारा प्रशासनिक आधार पर लाइन अटैच किए जाने का आदेश जारी किया गया है। आदेश के बाद जिले में इस कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। हालांकि आदेश में लाइन अटैच किए जाने का कारण केवल प्रशासनिक बताया गया है। जानकारी के अनुसार टीआई अमर वर्मा के विरुद्ध पूर्व में विभिन्न मामलों को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष शिकायतें प्रस्तुत की गई थीं। शिकायतों में सेवा नियमों के कथित उल्लंघन, विभागीय अनुमति के बिना भूमि क्रय, सरकारी आवास से जुड़े मामलों सहित अन्य आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं ने इन मामलों की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की थी। सूत्रों के अनुसार इन शिकायतों की प्रतिलिपियां पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को भी भेजी गई थीं। इसके बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा टीआई अमर वर्मा को लाइन अटैच करने का आदेश जारी किया गया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि लाइन अटैच करने की कार्रवाई शिकायतों के आधार पर की गई है या सामान्य प्रशासनिक व्यवस्था के तहत। आदेश में केवल प्रशासनिक कारणों का उल्लेख किया गया है। ऐसे में अब निगाहें इस बात पर हैं कि शिकायतों में लगाए गए आरोपों की विभागीय जांच होती है या नहीं।

कोयला खदान कार्यालय में दिनदहाड़े फायरिंग मुख्य आरोपी नासिक से गिरफ्तार

एक माह तक पुलिस को देता रहा चकमा, वारदात में प्रयुक्त देशी कट्टा बरामद एसपी ने की टीम को पुरस्कार देने की घोषणा

अनूपपुर। रामपुर बटुरा ओपन कोल माइंस स्थित जय अम्बे प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय में कर्मचारियों पर देशी कट्टे से फायर कर दहशत फैलाने वाले मुख्य आरोपी को कोतवाली पुलिस ने करीब एक माह बाद महाराष्ट्र के नासिक से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचने का प्रयास कर रहा था, लेकिन साइबर सेल और कोतवाली पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में उसे दबोच लिया गया। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त देशी कट्टा भी बरामद कर लिया गया है। रामपुर बटुरा ओपन कोल माइंस के ग्राम खांडा स्थित जय अम्बे प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय में 7 जून को हुई फायरिंग की सनसनीखेज घटना में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। घटना के बाद से फरार चल रहे मुख्य आरोपी श्रीराम विश्वकर्मा को कोतवाली पुलिस ने महाराष्ट्र के नासिक से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने उसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त देशी कट्टा भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, घटना के समय कंपनी कार्यालय में टाइमकीपर अमन सिंह क्षत्रीय सहित कई कर्मचारी रोजमर्रा के कार्य में व्यस्त थे। इसी दौरान श्रीराम विश्वकर्मा अपने दो साथियों पप्पू विश्वकर्मा और मिथलेश चर्मकार के साथ कार्यालय पहुंचा। स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं देने का आरोप लगाते हुए आरोपियों ने कर्मचारियों से विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि श्रीराम विश्वकर्मा ने कमर से देशी कट्टा निकालकर कर्मचारियों पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। हालांकि मौके पर मौजूद सुरक्षा गार्ड पारस ने साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए आरोपी को धक्का दे दिया, जिससे गोली कर्मचारियों को लगने के बजाय कार्यालय की फर्श में जा धंसी। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। वारदात के बाद तीनों आरोपी कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास, आपराधिक धमकी तथा आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला कायम कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने 10 जून को पप्पू विश्वकर्मा तथा 11 जून को मिथलेश चर्मकार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। जबकि मुख्य आरोपी लगातार फरार होकर पुलिस की गिरफ्त से बचता रहा। मुख्य आरोपी की तलाश के लिए थाना प्रभारी अरविंद जैन के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। साइबर सेल की तकनीकी सहायता से आरोपी की लोकेशन महाराष्ट्र के नासिक में मिलने पर पुलिस टीम ने वहां दबिश दी और योजनाबद्ध कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त देशी कट्टा भी जब्त किया गया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर घटना से जुड़े अन्य पहलुओं और उसके संपर्कों की भी जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम एवं एसडीओपी नवीन तिवारी के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस व साइबर सेल ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस अधीक्षक ने पूरी टीम की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

मानवता की मिसाल: शिवप्रसाद गौतम लाला महाराज ने गरीब जनजातीय

विद्यार्थियों को वितरित किए गणवेश, जूते-चप्पल

अमरकंटक।

प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में समाजसेवा का एक प्रेरणादायी उदाहरण देखने को मिला। भारतीय ब्राह्मण उत्थान महासभा, नगर इकाई अमरकंटक के अध्यक्ष एवं समाजसेवी शिवप्रसाद गौतम लाला महाराज ने शुक्रवार, 3 जुलाई को नगर परिषद अमरकंटक के वार्ड क्रमांक 2, 3 एवं 4 के लगभग 40 गरीब जनजातीय छात्र-छात्राओं को विद्यालयीन गणवेश, जूते-चप्पल तथा अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री वितरित कर मानवीय संवेदनाओं का अनुकरणीय परिचय दिया। जानकारी के अनुसार अनेक विद्यार्थी गणवेश के अभाव में फटे-पुराने एवं मैले कपड़े पहनकर विद्यालय आने को विवश थे। कई बच्चों के पैरों में जूते-चप्पल तक नहीं थे। यह मार्मिक स्थिति देखकर शिवप्रसाद गौतम लाला महाराज का हृदय द्रवित हो उठा। उन्होंने तत्काल बच्चों के लिए उनकी आवश्यकता एवं नाप के अनुसार नए गणवेश, जूते-चप्पल तथा अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई। इस सेवा कार्य से बच्चों और उनके परिजनों के चेहरों पर खुशी झलक उठी। स्थानीय नागरिकों ने भी इस मानवीय पहल की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ाने के साथ-साथ जरूरतमंद परिवारों को संबल प्रदान करते हैं। उल्लेखनीय है कि शिवप्रसाद गौतम लाला महाराज भारतीय ब्राह्मण उत्थान महासभा, नगर इकाई अमरकंटक के अध्यक्ष होने के साथ-साथ सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों में सदैव अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं। उनका यह सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गया है तथा शिक्षा और मानव सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है।

बिना क्रय आदेश, बिना स्टॉक एंट्री आखिरकार कैसे हो गया भुगतान?

डॉ. चित्रा सोनवानी पर वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप, नोटशीट ने खड़े किए बड़े सवाल

राजेन्द्रग्राम।

हरिभूमि

डॉ. चित्रा सोनवानी पर लगे आरोपों की फाइल आखिर क्यों खा रही धूल?

शासकीय कन्या शिक्षा परिसर पुष्पराजगढ़ में वित्तीय अनियमितताओं को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। दस्तावेजों के अनुसार एसएमडीसी खाते से किए गए कथित भुगतान में न तो विधिवत क्रय आदेश जारी किया गया, न सामग्री स्टोर रजिस्टर में दर्ज मिली और न ही क्रय समिति का सत्यापन सामने आया है। मामले में एसएमडीसी सचिव द्वारा लिखी गई नोटशीट अब पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज बनकर उभरी है।

मध्यप्रदेश शासन विद्यालयों के संचालन, छात्राओं की शिक्षा, सुरक्षा और आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए एसएमडीसी खातों में राशि उपलब्ध कराता है। नियमानुसार किसी भी सामग्री की खरीद से पहले क्रय आदेश, सामग्री की प्राप्ति, क्रय समिति का सत्यापन और स्टोर स्टॉक रजिस्टर में प्रविष्टि आवश्यक होती है। लेकिन शासकीय कन्या शिक्षा परिसर पुष्पराजगढ़ में प्रभारी प्राचार्य डॉ. चित्रा सोनवानी पर लगे आरोप इन प्रक्रियाओं पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। उपलब्ध नोटशीट के अनुसार करीब 1,02,853 रुपये के बिल भुगतान के लिए प्रस्तुत किए गए, जबकि एसएमडीसी सचिव ने स्पष्ट रूप से लिखा कि सामग्री की स्टॉक एंट्री, क्रय आदेश और नियमानुसार दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। इसके बावजूद भुगतान का दबाव बनाए जाने का उल्लेख भी नोटशीट में किया गया है। यदि दस्तावेज सही हैं, तो यह मामला केवल वित्तीय अनियमितता नहीं बल्कि शासन के वित्तीय नियमों की अनदेखी का भी संकेत देता है।

बिना क्रय आदेश कैसे जारी हुए बिल?

शासन के वित्तीय नियमों के अनुसार किसी भी सामग्री की खरीद से पहले सक्षम अधिकारी द्वारा विधिवत क्रय आदेश जारी किया जाता है। आरोप है कि इस मामले में पहले बिल प्राप्त किए गए और बाद में भुगतान की प्रक्रिया शुरू की गई। यदि ऐसा हुआ है तो यह पूरी खरीद प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

नोटशीट ने खोले वित्तीय प्रक्रिया के राज

एसएमडीसी सचिव मनोज कुमार धुर्वे द्वारा 28 मार्च 2026 को लिखी गई नोटशीट में कथित रूप से उल्लेख किया गया कि 1,02,853 रुपये के बिलों का भुगतान नियमों के अनुरूप नहीं है। नोटशीट में क्रय आदेश, स्टॉक रजिस्टर में प्रविष्टि और आवश्यक दस्तावेजों के अभाव का हवाला देते हुए मार्गदर्शन मांगा गया। यह दस्तावेज अब पूरे मामले का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है।

सामग्री आई भी या नहीं, सत्यापन किसने किया?

शासन के नियमों के अनुसार खरीदी गई सामग्री का सत्यापन क्रय समिति द्वारा किया जाना अनिवार्य है। समिति की संतुष्टि के बाद ही सामग्री स्टोर में दर्ज होती है और भुगतान की प्रक्रिया पूरी की जाती है। आरोप है कि इस मामले में न तो समिति का सत्यापन उपलब्ध है और न ही सामग्री की स्टॉक एंट्री का रिकॉर्ड स्पष्ट रूप से सामने आया है।

अब जांच बताएगी सच क्या है

डॉ. चित्रा सोनवानी पर इससे पहले भी वित्तीय अनियमितताओं और एसएमडीसी खाते के संचालन को लेकर शिकायतें की जा चुकी हैं। अब सवाल यह है कि संबंधित विभाग इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कब करेगा। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों पर कार्यवाही होना आवश्यक है और यदि आरोप गलत साबित होते हैं तो संबंधित अधिकारी को स्पष्ट रूप से क्लीन चिट दी जानी चाहिए।

भुगतान का दबाव, नियमों पर भारी?

दस्तावेजों के अनुसार एसएमडीसी सचिव पर बिलों को सीधे कैशबुक में दर्ज कर भुगतान करने का दबाव बनाया गया। सचिव ने नियमों का हवाला देते हुए भुगतान से पहले आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने और मार्गदर्शन मांगा। यदि यह तथ्य जांच में सही पाए जाते हैं तो यह प्रशासनिक जवाबदेही का गंभीर विषय बन सकता है।

अनूपपुर में हाथियों का आतंक जारी, एक हाथी पहुंचा छत्तीसगढ़, तीन भोलगढ़ के जंगल में डटे

घरों पर धावा, फसलों की तबाही...

अनूपपुर। जिले के अनूपपुर और जैतहरी वन क्षेत्र में चार जंगली हाथियों का दल पिछले एक सप्ताह से ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। हाथियों का समूह तीन और एक की संख्या में बंट गया है। दिनभर जंगलों में विश्राम करने के बाद शाम ढलते ही ये हाथी जंगल से सटे गांवों में पहुंचकर मकानों में तोड़फोड़ कर रहे हैं और खेतों-बाड़ियों में लगी फसलों तथा सब्जियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वन विभाग के अनुसार एक बड़ा नर हाथी अपने तीन साथियों से अलग होकर धनगवां बीट के आमापानी जंगल में दिनभर ठहर रहा है। रात होते ही वह ग्राम पंचायत पड़रिया के चोई गांव के भलुवान टोला और पडमनिया टोला में पहुंचकर कई घरों में नुकसान पहुंचा चुका है। हाथी ने घरों में रखे अनाज को भी बर्बाद किया और खेतों व बाड़ियों में लगी फसलों को रौंद दिया। इसके बाद वह गुजरनाला पार कर छत्तीसगढ़ के सिवनी वन बीट के मालाडांड, पथर्री, पडरी और चरचेडी होते हुए घुसरिया बीट के जंगल में पहुंच गया, जहां शनिवार को दिनभर विश्राम करता रहा। उधर तीन हाथियों का दूसरा दल शुक्रवार रात भगतबांध गांव के आसपास विचरण करता रहा। शनिवार को यह दल अनूपपुर के भोलगढ़ और खांड़ा के बीच स्थित जंगल में डेरा जमाए हुए है। लगातार हो रही हाथियों की आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। रातभर लोग जागकर अपने घरों और खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं। वहीं वन विभाग की टीमें हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और ग्रामीणों से सतर्क रहने तथा हाथियों के नजदीक नहीं जाने की अपील कर रही हैं।

कोतमा पुलिस की कार्रवाई, 2.05 किलो गांजा और स्कूटी जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

पूछताछ में सामने आया सप्लायर का नाम, पुलिस कर रही तलाश

कोतमा। अनूपपुर पुलिस द्वारा जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोतमा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 2.050 किलोग्राम अवैध गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से गांजा और तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी सहित करीब 90 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया है। पूछताछ में आरोपी ने गांजा स्थानीय निवासी रज्जू उर्फ राजेंद्र द्विवेदी से लाना स्वीकार किया है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी कोतमा के मार्गदर्शन में थाना कोतमा पुलिस ने 3 जुलाई की रात कोतमा हाईवे पर संदिग्ध वाहनों की जांच अभियान चलाया। इसी दौरान बुढ़ानपुर की ओर से आ रही स्कूटी क्रमांक एमपी 65 जेडबी 5023 पुलिस चेकिंग देखकर अचानक वापस मुड़कर भागने लगी। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम अनिल सोनी पिता गौरीशंकर सोनी निवासी पुरानी बस्ती, कोतमा बताया। संदेह होने पर स्कूटी की तलाशी ली गई, जिसमें डिक्की से खाकी रंग के दो पैकेट बरामद हुए। जांच में दोनों पैकेटों में कुल 2.050 किलोग्राम अवैध गांजा मिला। स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में पंचनामा तैयार कर गांजा तथा लगभग 60 हजार रुपये कीमत की स्कूटी जब्त की गई। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 30 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने गांजा रज्जू उर्फ राजेंद्र द्विवेदी निवासी वार्ड क्रमांक-4, कोतमा से लाना बताया है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है और मामले की विवेचना जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रत्नांबर शुक्ल के नेतृत्व में उपनिरीक्षक सुखीनंद यादव, उपनिरीक्षक रामनारायण तिवारी, प्रधान आरक्षक रामखेलावन, प्रधान आरक्षक कपिल उइके, प्रधान आरक्षक सुरेंद्र सिंह तथा आरक्षक अभय त्रिपाठी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिला अस्पताल में हाई रिस्क गर्भवती का सुरक्षित प्रसव, जुड़वा बच्चों ने लिया जन्म

छह वर्ष बाद आई खुशियां, सिजेरियन ऑपरेशन से जच्चा और दोनों नवजात

अनूपपुर। अनूपपुर जिला चिकित्सालय की मेटरनिटी विंग ने एक जटिल और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था का सफल प्रबंधन कर सुरक्षित प्रसव कराते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की है। छह वर्ष बाद मां बनने जा रही महिला ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। समय पर चिकित्सकीय निर्णय और विशेषज्ञों की टीम के समन्वित प्रयास से जच्चा और दोनों नवजात पूरी तरह स्वस्थ हैं। गुणवत्तापूर्ण मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में जिला चिकित्सालय अनूपपुर लगातार बेहतर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में चिकित्सालय की मेटरनिटी विंग ने एक उच्च जोखिम (हाई रिस्क) गर्भवती महिला का सफल सिजेरियन ऑपरेशन कर सुरक्षित प्रसव कराया है। जानकारी के अनुसार विकासखंड जैतहरी के ग्राम चोरभटी निवासी गर्भवती महिला को 3 जुलाई की सुबह प्रसव पीड़ा होने पर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। आवश्यक चिकित्सकीय जांच में पता चला कि महिला के गर्भ में जुड़वा शिशु हैं। साथ ही यह गर्भावस्था छह वर्ष के लंबे अंतराल के बाद होने के कारण चिकित्सकीय दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील और उच्च जोखिम वाली थी। महिला की स्थिति को देखते हुए मेटरनिटी विंग के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बिना विलंब सिजेरियन सेक्शन का निर्णय लिया। विशेषज्ञों की निगरानी में सफल ऑपरेशन के बाद महिला ने एक पुत्र और एक पुत्री को जन्म दिया। दोनों नवजात पूरी तरह स्वस्थ हैं। नवजात

पुत्र का वजन 2.335 किलोग्राम तथा पुत्री का वजन 2.310 किलोग्राम दर्ज किया गया। प्रसव के बाद मां और दोनों बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति सामान्य एवं संतोषजनक बताई गई है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार समय पर जांच, सही चिकित्सकीय निर्णय और अनुभवी विशेषज्ञों के समन्वित प्रयास के कारण इस जटिल गर्भावस्था का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया जा सका। यह उपलब्धि जिला चिकित्सालय की मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को भी दर्शाती है। सुरक्षित प्रसव में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सोशन खेश, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. उषा किरण समेले, डॉ. गायत्री तथा ऑपरेशन थिएटर की पूरी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी के संयुक्त प्रयास से मां और दोनों नवजातों को सुरक्षित रखा जा सका। इस उल्लेखनीय सफलता पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं प्रभारी कलेक्टर श्रीमती अर्चना कुमारी ने जिला चिकित्सालय की मेटरनिटी टीम को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की अपेक्षा व्यक्त की।